

फुलड़ा परबत में खिल गया नारायण साढ़ू ने मिल गया



फुलड़ा परबत में खिल गया,
नारायण साढ़ू ने मिल गया।bd।

खटानी भाग थारा जाग्या,
नारायण गोदया में आज्ञा,
गोदया में आज्ञा ये थारी,
गोदया में आज्ञा,
फुलड़ा पर्वत में खिल गया,
नारायण साढ़ू ने मिल गया।bd।

बाटा बरसा तक नाली,
आयो मारा बागा को माली,
अब में नाचूँ दे ताली,
बनजाउ मीरा मतवाली,
फुलड़ा पर्वत में खिल गया,
नारायण साढ़ू ने मिल गया।bd।

चाली सेर डुंगरिया गढ़,
गोटा की गुजरिया,
मंगला गावो ये सखिया,
लाड़ लड़ाओ ये सखियां,
फुलड़ा पर्वत में खिल गया,
नारायण साढ़ू ने मिल गया।bd।

मारा देवधनी सिरमौर थे,
भगता की राखो जोड़,
मारा देवधनी सिरमौर,
महिमा ई कलयुग में जोर,
भगत की बिगड़ी बनवावे,
महिमा पांचाल रे गावे,
फुलड़ा पर्वत में खिल गया,
नारायण साढ़ू ने मिल गया।bd।



(गुजरिया देवनारायण भगवान ने किन प्रकार बुलावे)

अरे अब तो आज्ञा रे नारायण,
तू तो लेर गुडलो,
ओ थाने गुजरिया बुलावे,
ओ बजार चुड़लो ।

ऐ मारा देमालिया का,
चोक में सर्प कालो,
अरे मन की कहदे रे,
नारायण काई मालो,
अरे में तो जोत रे जलाऊ,
डालू घी को प्यालो,
ओ थाने गुजरिया बुलावे,
ओ बजार चुड़लो ।

– श्री देवनारायण भगवान की –

गायक – रामकुमार मालुनि ।
प्रेषक – सिंगर राज पांचाल
9950916269